

संपादकीय

बात अडानी तक नहीं

विदेशी मीडिया में आ रही प्रतिक्रियाओं पर गौर करें, तो यह साफ है कि वहां सवाल भारत की विनियामक व्यवस्था पर उठाए जा रहे हैं। रेटिंग एजेंसियों की प्रतिक्रिया आ रही प्रतिक्रियाओं को देखते हुए यह साफ है कि ये सवाल और गहराएंगे।

बीते 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च की तरफ अडानी ग्रुप के बारे में रिपोर्ट जारी करने से मची उथल-पुथल अब सिर्फ इसी उद्योग समूह का संकेत नहीं रह गई है। बल्कि अब यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विदेशी मीडिया में आ रही प्रतिक्रियाओं पर गौर करें, तो यह साफ है कि वहां सवाल भारत की विनियामक व्यवस्था पर उठाए जा रहे हैं। रेटिंग एजेंसियों की प्रतिक्रिया आने के बाद ये सवाल और गहराएंगे। गौरतलब है कि जहां रेटिंग एजेंसी फिच ने अडानी ग्रुप के बारे में अपना आकलन बदलने की जरूरत अभी नहीं समझी है, वहीं एसाएंडपी ने इस ग्रुप की कई कंपनियों की रेटिंग निगेटिव कर दी है, जबकि मूडीज ने कुछ गंभीर टिप्पणियां की हैं। दरअसल, इस प्रकरण में बने भरोसे के संकेत के विदेशी निवेशकों खुल कर यह कह रहे हैं कि भारतीय कंपनियों में धन लगाना सुरक्षित नहीं है।

अगर इस धारणा को नियंत्रित करने के लिए तुरंत कुछ जरूरी और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो अडानी ग्रुप की कहानी उस नवोदित भारत की कहानी में एक बड़ा छेद बन जाएगा, जिसे दुनिया भर में प्रचारित करने की कोशिश की जाती रही है। चीन से पश्चिमी देशों के बढ़ते टकराव के बीच इस पश्चिमी कारोबारी कहानी को स्वीकार करने की सहज प्रवृत्ति दिखा रहे थे। वे इस बात को नजरअंदाज करने को तैयार थे कि यह इंडिया स्टोरी असल में भारत के सीमित तबकों की समृद्धि की कहानी है, जो दुर्दशा के समुद्र में महज एक द्वीप की तरह है। लेकिन धारणा यह बन रही है कि उस द्वीप की चमक भी वास्तविक नहीं है। नरेंद्र मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी को अगर सचमुच भारत की चिंता है, तो उन्हें इस स्थिति की गंभीरता को समझना चाहिए। यह हैरतअंगेज है कि भाजपा और संघ परिवार के लोग सार्वजनिक चर्चाओं में अडानी ग्रुप के प्रवक्ता की तरह बोलते सुने जा रहे हैं। इससे इस समूह पर उठे सवालों की पारदर्शी जांच और उचित कार्रवाई होने की आशा लगातार कमजोर पड़ रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

अडानी ग्रुप को झटका, बिजली परियोजना पर तीव्र सुनवाई के लिए याचिका को हाईकोर्ट ने किया खारिज

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने मुर्शिदाबाद जिले के फरका में अडानी समूह के स्वामित्व वाले बिजली संयंत्र द्वारा हाई-टेंशन बिजली लाइनों की स्थापना के खिलाफ जनहित याचिका की फास्ट-ट्रैक आधार पर सुनवाई की याचिका खारिज कर दी।



कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति राजीव भारद्वाज की खंडपीठ ने 31 जनवरी को एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ डेमोक्रेटिक राइट्स (एपीडीआर) और फरका क्षेत्र के 30 फल किसानों द्वारा दायर जनहित याचिका को स्वीकार किया था। याचिका झारखंड के गोड्डा जिले से बांग्लादेश तक फैली एक परियोजना के हिस्से के रूप में

अडानी समूह के स्वामित्व वाले बिजली संयंत्र द्वारा क्षेत्र में कृषि भूमि पर हाई-टेंशन बिजली लाइनों की स्थापना के खिलाफ है। याचिकाकर्ता ने उसी समय फल किसानों के हित को देखते हुए फास्ट ट्रैक आधार पर सुनवाई की अपील की थी। हालांकि, खंडपीठ ने याचिका को खारिज कर दिया, और न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने कहा

कि चूंकि इस गिनती पर आपत्तियां परियोजना का काम शुरू होने के बहुत बाद में की गई थीं, इसलिए फास्ट-ट्रैक आधार सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं है। न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने कहा, सिर्फ सात दिनों की देरी से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। डिवीजन बेंच ने यह भी आदेश दिया कि परियोजना से संबंधित सभी संबंधितों को जनहित

याचिका में पार्टियों के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। मामले में अगली सुनवाई 20 फरवरी को होगी। याचिकाकर्ताओं ने जनहित याचिका में कहा है कि जिस इलाके से हाईटेंशन बिजली की लाइनें गुजरेंगी, वहां ज्यादातर लोग आम और लीची की खेती पर निर्भर हैं, ओवरहेड लाइनें उनकी आजीविका को प्रभावित

करेंगी। उनका दावा है कि वे हाई-टेंशन बिजली की लाइनें आम और लीची के बागानों के ऊपर से गुजर रही हैं और इसलिए उनके स्थान को वैकल्पिक क्षेत्रों में बदल दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी दावा किया है कि पहले भी उन्होंने इस घटनाक्रम का विरोध किया था, लेकिन पुलिस ने उन्हें पीटा था।

आरबीआई ने दिया झटका : रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी, कार और होम लोन फिर होंगे महंगे

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महंगाई को लक्षित दायरे में रखने के उद्देश्य से आज लगातार छठवां बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की है। आरबीआई ने 25 बीपीएस की बढ़ोतरी तत्काल प्रभाव बढ़ा दिया है। अब यह 6.50 प्रतिशत हो गया है। रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी से सस्ते कर्ज की उम्मीद टूट गई है। मौद्रिक नीति समिति के छह सदस्यों में से चार ने रेपो दर बढ़ाने के पक्ष में मतदान किया। आरबीआई गवर्नर शक्तिंत दास ने कहा कि पिछले करीब तीन साल में विभिन्न चुनौतियों के कारण दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के लिए मौद्रिक नीति के स्तर पर चुनौती रही है। इससे पहले 7 दिसंबर को आरबीआई की तरफ से रेपो रेट में 35 बेसिस प्वाइंट का इजाफा किया गया था। रेपो रेट बढ़ने का सीधा असर बैंकों की तरफ से ग्राहकों को दिये जाने वाले लोन की ब्याज दर पर पड़ेगा। इससे ग्राहकों को पहले से ज्यादा ईएमआई देनी होगी।

आरबीआई की तरफ से यह कदम बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए उठाया गया है। रेपो रेट बढ़ने का असर होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की श्रृंखला पर पड़ेगा। वित्त वर्ष 2022-23 में आर्थिक वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। रेपो रेट बढ़ने से कॉस्ट ऑफ बोरोइंग यानी उधारी की लागत बढ़ जाएगी। बैंकों से पैसा महंगा मिलेगा तो लोन की ब्याज दर में भी बढ़ोतरी होगी। बैंक इसका असर ग्राहकों पर दास ने कहा कि पिछले करीब तीन साल में विभिन्न चुनौतियों के कारण दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के लिए मौद्रिक नीति के स्तर पर चुनौती रही है। इससे पहले 7 दिसंबर को आरबीआई की तरफ से रेपो रेट में 35 बेसिस प्वाइंट का इजाफा किया गया था। रेपो रेट बढ़ने का सीधा असर बैंकों की तरफ से ग्राहकों को दिये जाने वाले लोन की ब्याज दर पर पड़ेगा। इससे ग्राहकों को पहले से ज्यादा ईएमआई देनी होगी।

स्नेह राणा कैरियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर

दुबई। भारत की स्नेह राणा आईसीसी महिला टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में कैरियर की सर्वश्रेष्ठ छठी पायदान पर पहुंच गई हैं। जबकि दीप्ति शर्मा एक पायदान नीचे तीसरे स्थान पर आ गई हैं। आफ स्पिनर राणा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में 21 रन देकर दो विकेट लिये थे।

दक्षिण अफ्रीका की बायें हाथ की स्पिनर एन एमलाबा ने दीप्ति को पछाड़कर दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया। भारत के खिलाफ फाइनल में उन्होंने 16 रन देकर दो विकेट लिये थे। बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर एक पायदान ऊपर दसवें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं दीप्ति शर्मा दो पायदान चढ़कर 23वें और हरलीन देवोल 20 पायदान चढ़कर 110वें स्थान पर है।

जीओ टूर 5जी अब 200 से अधिक शहरों में उपलब्ध

नई दिल्ली। रिलायंस जियो ने मंगलवार को कहा कि उसकी टूर 5जी सेवाएं 236 शहरों में लाइव हो गई हैं, इस प्रकार वह कम समय में इतने व्यापक नेटवर्क तक पहुंचने वाला पहला और एकमात्र दूरसंचार ऑपरेटर बन गया है। कंपनी ने 10 नए शहरों- हिंदुपुर, मदनपल्ले, प्रोद्दातुर (आंध्र प्रदेश), रायगढ़ (छत्तीसगढ़), तालचेर (ओडिशा), पटियाला (पंजाब), अलवर (राजस्थान), मनचैरियल (तेलंगाना), गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) और रुड़की (उत्तराखंड) में अपनी



टूर 5जी सेवाओं की शुरुआत की घोषणा की। मंगलवार से, इन शहरों में जियो उपयोगकर्ताओं को बिना किसी अतिरिक्त लागत के 1 जीबीपीएस

8 रज्यों के इन 10 शहरों में जियो टूर 5जी सेवाओं को शुरू करने पर गर्व है। इस लॉन्च के साथ, 236 शहरों में जियो उपयोगकर्ता नए साल में जियो टूर 5जी के परिवर्तनकारी लाभों का आनंद ले सकते हैं। जियो की टूर 5जी सेवाओं के लॉन्च के साथ उपभोक्ताओं को न केवल सर्वश्रेष्ठ दूरसंचार नेटवर्क मिलेगा बल्कि ई-गवर्नेंस, शिक्षा, ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, गेमिंग, हेल्थकेयर, कृषि, आईटी और एसएमई के क्षेत्रों में विकास के अनंत अवसर भी मिलेंगे।

पारंपरिक प्रारूप की प्रतिद्वंद्विता में आस्ट्रेलिया के लिये भारत के पास स्पिन का ब्रह्मास्त्र

नागपुर। सीमित ओवरों में अपने फन का लोहा मनवा चुके रोहित शर्मा टेस्ट कप्तान के रूप में अपने कैरियर की सबसे बड़ी परीक्षा से गुजरेंगे जब बुधस्वितवार से भारतीय टीम का सामना बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिये आस्ट्रेलिया से होगा जो यहां बदला चुकता करने के इरादे से आई है लेकिन सामना भारतीय फिरकी के ब्रह्मास्त्र से होगा।

क्रिकेट के मैदान की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विताओं में शुमार इस श्रृंखला पर क्रिकेटप्रेमियों, आलोचकों और मीडिया की पैनी नज़रें रहेंगी। क्या रोहित शर्मा आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कर्मिस को पूल शॉट खेलने की अपनी ललक पर काबू रख सकेंगे। एस्टोन एंग या नाथन लियोन के सामने विराट कोहली कैसे शॉट खेलेंगे। क्या सूर्यकुमार यादव को कोच राहुल द्रविड शुभमन गिल पर तरजीह देंगे। अक्षर पटेल ज्यादा उपयोगी साबित होंगे या कुलदीप यादव। इन सभी सवालों के जवाब इस श्रृंखला में मिलेंगे।

अपनी सरजमीं पर पिछली दोनों बार (2018 . 19 और 2020 . 21) में श्रृंखला गंवाने का दर्द कर्मिस और उनकी टीम को है और वे इस बार बदला लेने के इरादे से ही आये हैं। वैसे यह उनके लिये इतना आसान नहीं होगा क्योंकि पिच पहले ही दिन से टर्न ले सकती है। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच 2001 के बाद से हुई श्रृंखलाओं में एंशज की तुलना में बेहतर क्रिकेट देखने को मिला है। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की इस जमात को मैथ्यू हेडन, जस्टिन लैंगर, ग्लेन मैकग्रा या एडम गिलक्रिस्ट जैसे 2004 की टीम के खिलाड़ियों की बराबरी करनी है तो यह श्रृंखला जीतनी होगी।

स्टीव स्मिथ ने खुद कहा है कि भारत में श्रृंखला जीतना एंशज से भी बड़ा है। रोहित चोट या बीमारी के कारण बड़ी टीमों के खिलाफ सभी टेस्ट चूकते आये हैं। चाहे 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला हो या इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट। अब उनके सामने चुनौती विराट कोहली की तरह भारत को एक बार फिर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में ले जाने की है।

रामायण में रावण बनेंगे यश, राम का किरदार निभाएगा रणवीर कपूर

जाने माने मशहूर निर्देशक नितेश तिवारी पिछले लंबे समय से अपनी फिल्म रामायण को लेकर खबरों में हैं। फिल्म के प्री प्रोडक्शन में काफी समय लग रहा है तथा अभी से ही दर्शकों को उम्मीद है कि ये फिल्म धमाका करेगी। अभी तक फिल्म के बारे में कुछ भी पुख्ता तौर पर सामने नहीं आया है, मगर रिपोर्ट्स के हवाले से कई खबरें सामने आई हैं। इस बीच एक रिपोर्ट के अनुसार बताया जा रहा है कि फिल्म में राम की भूमिका में रणवीर कपूर दिखाई दे सकते हैं, जबकि यश फिल्म में रावण का किरदार निभाएंगे।



रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अभी तक इस पर मुहर नहीं लगी है तथा यश और रामायण निर्माताओं के बीच बातचीत जारी है। कहा जा रहा है कि केजीएफ 2 की कामयाबी के बाद यश के पास कई बड़े बड़े ऑफर्स हैं, ऐसे में उन्हें प्रोजेक्ट्स चुनने में बहुत समय लग रहा है। हालांकि नितेश की रामायण उनके

फर्जी के लिए साथ आए तनिष्क बागची और सचिन-जिगर

संगीतकार जोड़ी सचिन सांधवी और सचिन-जिगर के नाम से लोकप्रिय जिगर सैरिया ने आगामी आठ-एपिसोड क्राइम थ्रिलर फर्जी के संगीत के लिए तनिष्क बागची के साथ सहयोग किया है। निर्माताओं ने श्रृंखला से तीन ट्रैक जारी किए हैं और शीर्ष संगीतकारों ने रचनाओं पर काम करने के बारे में बात की।

तनिष्क, जिन्हें बोलना, वे माही जैसे अपने ट्रैक के लिए याद किया जाता है, ने आसमान, सब फर्जी और पैसा है तो शीर्षक वाले तीन ट्रैक



के बारे में बात की और आसमान पर काम करने के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने कहा, फर्जी एक क्राइम थ्रिलर है, इसलिए मैं एक ऐसा ट्रैक बनाना चाहता था, जो शो की थीम को दर्शाता हो।

सर्दियों में बनाएं कई तरह की सब्जियों से अचार, जानिए आसान विधि

सर्दियों के मौसम कई तरह की सब्जियां मिलती हैं। आप इन सब्जियों से अचार बना सकते हैं, तो चलिए जानते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री :

गोभी, गाजर, मूली, हरी मटर, 3-4 चम्मच सरसों का तेल, 1 बड़ा चम्मच हींग, 1 बड़ा चम्मच राई, 1 बड़ा चम्मच सरसों का तेल, नींबू का रस, स्वादानुसार नमक

विधि :

सबसे पहले सारे सब्जियों को धो लें, फिर इसे काट लें।

- इन सब्जियों को पानी में डालकर उबाल लें।



- इसके बाद साफ कपड़े से पोंछ लें।

- अब एक कड़ाही में सरसों के तेल को गर्म करें, फिर सब्जियों को फ्राई कर लें।

- अब इसमें जीरा, हींग, लाल मिर्च पाउडर, राई, हल्दी, नींबू का रस, नमक अच्छे से मिला दें।

- इसके बाद किसी साफ डिब्बे में रख दें और धूप में सुखाएं।

शब्द सामर्थ्य- 336

बाएँ से दायें	निबटारा 10. चरदान, दुल्हा 12. शिक्षा, नेक सलाह 4. बचवच, रणभूमि 3. स्वरूपाम, संगीत के 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, 18. अश्लील, बेहूदा, अभद्र, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग अभ्यर्थना, रिसेप्टान, यथा 20. रिक्त, अपूर्ण।	अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, 1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचवच, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर
---------------	--	--

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	

सू-दोक्- 336

2	6	8	3																	
9	8	3	4	5																
5	2	7	6																	
8	4	1	3																	
8	9			1																
5		1	6	4	2															